Don't Write here

Don't Write here

CLASS TEST -11

CURRENT AFFAIRS

21 OCT (1:15 PM)

STUDENT USE ONLY

Name : .....

Mobile No.....

निर्धारित समय : 10 मिनट
Time allowed : 10 Minutes

अधिकतम अंक : 15
Maximum Marks : 15

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- हाल ही में चर्चा में रहा #मी टू और #टाइम्सअप से आप क्या समझते हैं? क्या ये हमें लिंग समानता के करीब ले जाते हैं? मूल्यांकन करें।

What do you understand about #Metoo and #timesup movement which has been recently in news? Evaluate whether these movements take us colser towards gender equality.

(250 Words)

- भूमिका में #मीटू तथा #टाइम्सअप को स्पष्ट कीजिए।
- अगले पैरा में बतायें कि ये दोनों आंदोलन हमें किस प्रकार लिंग समानता के करीब ला रहे हैं?
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मी टू अभियान (# Me Too) यौन उत्पीड़न और हमले के खिलाफ एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान है। अक्टूबर, 2017 में हॉलीवुड के बड़े निर्माताओं में शामिल हार्वे वीनस्टीन पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और बलात्कार के आरोप लगाए थे और वीनस्टीन पर आरोप लगने के बाद दुनिया भर में # Me Too अभियान की शुरूआत हुई थी। जिसमें यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। एक सामाजिक कार्यकर्ता तराना बर्क ने वर्ष 2006 में 'मी टू' वाक्यांश का उपयोग करना शुरू किया था और इस वाक्यांश को वर्ष 2017 में अमेरिकी अभिनेत्री एलिसा मिलानो ने तब लोकप्रिय बनाया था। जब उन्होंने महिलाओं को इसके बारे में ट्वीट करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह आंदोलन अब भारत में पहुंच गया। इसके माध्यम से महिलाएँ अपने खिलाफ हुए उत्पीड़न को तेजी से सोशल मीडिया पर भी शेयर कर रही हैं। यह अभियान भारत में इतनी तेज फैल रहा है कि नेता से लेकर अभिनेता तक कोई भी वर्ग ऐसा नहीं है जो इसके दायरे में न आया हो। अत: स्पष्ट है # मी टू अभियान उन महिलाओं के लिए बड़ा सिंबल बनकर उभरा है, जिन्होंने यौन शोषण के विरूद्ध चुप्पी तोड़ते हुए खुलकर बात करने का साहस किया।

टाइम्सअप यौन उत्पीड़न और हिंसा के खिलाफ एक अभियान है जिसे मी टू के जवाब में हॉलीवुड की हस्तियों द्वारा 2018 में शुरू किया गया था। इसने अपने कानूनी रक्षा निधि के लिए 20 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जिन्हें 200 से अधिक स्वयंसेवक तथा वकीलों ने जुटाया है। टाइम्सअप, मी टू के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए एक समान दृष्टि साझा करता है, लेकिन इसमें कुछ अलग विशिष्ट लक्ष्य हैं। टाइम्सअप को मी टू अभियान में समाधान-आधारित क्रिया उन्मुख अगले चरण के रूप में माना जाता है। इस संगठन का उद्देश्य ठोस परिवर्तन लाना है, जिससे कार्यस्थल में सुरक्षा और इक्विटी प्रमुख हो।

टाइम्सअप की स्थापना इस आधार पर की गई थी कि हर इंसान को अपने परिषद् की देखभाल करने उत्पीड़न और यौन हमले और भेदभाव की बाधाओं से मुक्त रहने का अधिकार है।

अत: इन दोनों अभियानों ने एक सामाजिक परिवर्तन को जन्म दिया है जो कि पहली बार है। स्पष्ट है, दुनिया को इस बात पर ध्यान देना है कि अब महिलाओं की स्थिति को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

अंत में संतुलित एवं सारगर्भित निष्कर्ष दें।